Closed and sick industrial units

487. SHRI E. BALANANDAN:
SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) the total number of closed and sick industrial units in the country, State_wise;

(b) the total number of labourers involved in these sick and closed units, State-wise; and

(c) the steps Government have taken to provide employment to these experienced workers?

THE MINISSTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) to (c) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Industrial sickness

488. SHRI E. BALANANDAN:
SHRI S. RAMACHANDRAN PILLAI:

Will the Minister of INDUSRY be pleased to state:

(a) the major factors responsible for sickness in industries in the country; and

(b) the result oriented steps taken by Governmet to stop the sickness in industry?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) and (b) According to the RBI report, a number of causes, both internal and external, often operating in combination, have been responsible for industrial sickness. The main causes include deficiencies in planning, management, marketing, etc. The RBI report mentions change in Government policies as one of the external factors.

The Government has taken a number of steps for revival of sick industrial units which, inter-alia, include, guidelines of Reserve Bank of India to Banks, amalgamation of sick units with healthy units and setting up of Board for Industrial and Financial Reconstruction (BIFR) under Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, National Renewal Fund, National Equity Fund, etc.

उत्तर प्रदेश में लघु उद्योग इकाइयां

489. प्रो॰ राम बक्ष सिंह वर्मा:
श्रीमती मालती शर्मा:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) इस समय उत्तर प्रदेश में लघु उद्योग इकाइयों की कुल संख्या क्या है और तत्संबंधी जिला वार ब्यौरा क्या है;

(ख) इन इकाइयों में कार्य करने वाले लोगों/परिवारों की संख्या कितनी है; और

(ग) उक्त इकाइयों द्वारा उत्पादित वस्तुओं के विपणन हेतु सरकार द्वारा क्या व्यवस्था की गई है?

उद्योग मंत्री (श्री सिकन्दर बख्त): (क) और (ख) उत्तर प्रदेश राज्य में 31 मार्च, 1998 तक 3,42,812 पंजीकृत लघु औद्योगिक एकक थे जिनमें 14,20,602 व्यक्ति नियोजित थे। एककों की संख्या और इनमें नियोजित व्यक्तियों की संख्या का जिलावार विवरण (नीचे देखिये) में किया गया है।

(ग) उत्तर प्रदेश राज्य सरकार और भारत सरकार द्वारा व्यवस्थित की जा रही विभिन्न विपणन सहायता योजनाएं निम्न प्रकार है:-

1. औसतन लगभग 3,000 लघु उद्योग एककों को "राज्य भण्डारण क्रय कार्यक्रम" के अतंर्गत प्रतिवर्ष विपणन सहायता प्रदान की जाती है जिसमें 150 से 160 करोड़ रुपये तक वार्षिक औसतन कारोबार होता है।
2. उत्तर-प्रदेश व्यापार संवर्धन प्राधिकरण प्रर्दशनी का आयोजन करता है और लघु उद्योग एककों को रियायती दरों पर स्टालों की व्यवस्था करता है।
3. उत्तर-प्रदेश लघु उद्योग निगम (यू.पी.एस.आई. सी.) पंजीकृत लघु उद्योग एककों को विपणन सुविधाएं प्रदान करता है।
4. राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम की एकक बिन्दु पंजीकरण योजना के अंतर्गत निम्नलिखित लाभ प्रदान किये जाते है:-

-- निशुल्क कैंसर सेटों का जारी करना।
-- पेशगी धन की अदायगी से छूट।
-- वित्तिय सीमा तक प्रतिभूति जमा को हटना
-- जिसके लिए लघु उद्योग एकक पंजीकृत किया

जाता है। बड़े एककों की निवेदित दर पर 15 प्रतिशत तक

-- मूल्य वरीयता।

5. सरकारी भण्डारण खरीद नीति के अंतर्गत लघु एककों द्वारा विनिर्मित 358 मदें (हस्तशिल्प मदों सहित) केन्द्र सरकार के सभी विभागों/सरकारी उपक्रमों इत्यादि द्वारा लघु औद्योगिक एककों/हस्तशिल्प क्षेत्र से अनन्य रूप से खरीद करने के लिए आरक्षित की गई हैं।

6. व्यापारिक प्रदर्शनियों का विदेशों में भी आयोजन किया जाता है और निर्यात-योग्य लघु औद्योगिक एककों को इन प्रदर्शनियों में अपनी चुनिन्दा मदों को प्रदर्शित करने के अवसर और सहायता प्रदान की जाती है।

7. वाणिज्य मंत्रालय की विपणन विकास सहायता योजना एम०डी०ए० के अंतर्गत लघु क्षेत्र से व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल और बिक्री एवं अध्ययन दलों को प्रायोजित किया जाता है।

8. अयात-निर्यात नीति के अंतर्गत विभिन्न योजनाएं जिनमें अग्रिम लाइसेंसीकरण योजना 100 प्रतिशत निर्यातोन्मुख एकक योजना और एफ० टी० जैड०/ई० पी० जैड० में एककों को स्थापित करने की योजनाएं शामिल है, के अंतर्गत निर्यातक एकक अनेक प्रकार के निर्यात/आयात के पात्र हैं।

विवरण

उत्तर प्रदेश में लघु औद्योगिक एककों की जिलेवार संख्या तथा 31 मार्च 1998 तक नियोजित व्यक्तियों की संख्या दर्शाने वाला विवरण।

क्र० सं०	जिले का नाम	एककों की संख्या	नियोजित व्यक्तियों की संख्या
1.	सहारनपुर	7099	33268
2.	हरिद्वार	3659	13974
3.	मुजफ्फरनगर	10540	36437
4.	मेरठ	21678	108149
5.	गाजियाबाद	12558	65244
6.	बुलन्दशहर	13272	58240
7.	गौत्तमबुद्धनगर	453	438
8.	बागपत	378	एन ए
9.	आगरा	9072	58046
10.	अलीगढ़	7742	36847
11.	मथुरा	6481	28170
12.	मैनपुरी	2541	9229
13.	एटा	4427	15082
14.	फिरोजाबाद	3590	36439
15.	महामाया नगर	105	322
16.	बरेली	9735	42639
17.	बादौन	5324	14174
18.	पीलीभीत	4228	10716
19.	शाहजहांपुर	5252	20623
20.	मुरादाबाद	8446	35077
21.	रामपुर	5091	17705
22.	बिजनौर	3406	14780
23.	ज्योतिवा फुलेनगर	235	550
24.	झांसी	5248	18279
25.	ललितपुर	3517	8674
26.	जलौन	2636	9942
27.	बान्दा	3141	8250
28.	हमीरपुर	1175	3391
29.	महोबा	427	1078
30.	सी-साहुनगर	101	163
31.	लखनऊ	6055	26900
32.	राय बरेली	4815	13133
33.	लखिमपुर खेरी	3707	18950
34.	सीतापुर	3533	13075
35.	उन्नाव	3669	11836
36.	हरदोई	3413	7700
37.	इलाहाबाद	10972	43654
38.	फतेहपुर	4006	14110
39.	प्रतापगढ़	3607	11683
40.	कौशाम्बी	132	409
41.	कानपुर सिटी	7045	33684
42.	कानपुर देहात	5882	28051
43.	इटावा	5031	15712
44.	कन्नाऊज	-	-
45.	ओरिया	-	-
46.	फरुखाबाद	9695	45348
47.	वाराणसी	13038	59689
48.	जौनपुर	4629	20026
49.	गाजीपुर	4802	16939
50.	चन्दौसी	203	698

क्र॰ सं॰	जिले का नाम	एककों की संख्या	नियोजित व्यक्तियों की संख्या
51.	मिर्जापुर	4685	19113
52.	सोनभद्र	2475	13445
53.	भदोही	449	2051
54.	बस्ती	3666	14189
55.	कबीर नगर	-	-
56.	सिद्धार्थ नगर	1973	7750
57.	गोरखपुर	3657	12906
58.	देवरिया	4314	17686
59.	महाराजगंज	2257	7956
60.	कुशी नगर	350	661
61.	आजमगढ़	3170	14554
62.	बलिया	5437	18845
63.	माऊ	2335	6733
64.	फैजाबाद	4991	19480
65.	बाराबंकी	5283	15619
66.	सुल्तानपुर	5907	21286
67.	अम्बेडकर नगर	252	605
68.	गोंडा	4335	15887
69.	बहराईच	3663	14401
70.	श्रावस्ती नगर	94	206
71.	बलराम पुर	73	219
72.	देहरादून	2569	8906
73.	पौड़ी गढ़वाल	2643	8280
74.	टिहरी गढ़वाल	2550	7946
75.	चमोली	2548	6025
76.	रूद्र प्रयाग	48	87
77.	उत्तरकाशी	2045	5449
78.	नैनीताल	3858	12513
79.	अल्मोड़ा	4441	14157
80.	पिथौड़ागढ़	2160	4859
81.	बगेश्वर	-	-
82.	चम्पावत	-	-
83.	उधमसिंह नगर	783	1187
84.	नोएडा	3980	39505
85.	ग्रेटर नोएडा	30	573
	योग	342812	1420602

Working capital in Jessop and Company Ltd.

490. SHRI NILOTPAL BASU:
SHRIMATI CHANDRA KALA PANDEY:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the newsitem "Ailing Jessop defers account by three months" that appeared in the Telegraph dated 13th May,.1998;

(b) whether the Company has suffered because of shortage of working capital;

(c) if so, the steps taken to augment the working capital; and

(d) the statutory dues payable to the workers on roll as well as to the retired workers as on date?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI SIKANDER BAKHT): (a) A news item, as mentioned, was published by the Telegraph.

(b) and (c) The Company has suffered due to many factors including working capital shortage. Government has provided counter guarantee of Rs. 10 crore to banks for extending working capital facility Rs. 16.84 crores was also provided by the Government as non-plan assistance in the year 1997-98 besides Rs. 6 crores for Voluntary Retirement Scheme (VRS).

(d) The statutory dues payable to employees on roll as well as to the retired emplyees as on 31.3.98 are as under:—

(i) Salary & Wages	Rs. 6.75 crores
(ii) Gratuity	Rs. 11.46 crores
(iii) Provident Fund	Rs. 37.10 crores.

लघु उद्योगों में औद्योगिक रुग्णता

491. **श्री बरजिन्दर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में गत वर्षों में लघु उद्योग क्षेत्र में रुग्णतर की समस्या बढ़ी है;

(ख) यदि नहीं, तो गत तीन वर्षों अर्थात् 1995-96, 1996-97 तथा 1997-98 में रुग्ण लघु उद्योगों की वर्ष-वार संख्या क्या थी; और